Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

प्रतिबंध के बावजूद सड़कों पर नजर आ रहे वाहन, पुलिस सख्त

एसपी सिटी ने जरूरतमंदों को वितरित की खाद्य सामाग्री

लॉकडाउन उल्लंघन पर चौपहिया व दुपहिया वाहनों का चालान, कई सीज

चुनौती

संवाददाता

देहरादून। विश्वभर में फैले कोरोना वायरस के बचाव को लेकर किये गये उत्तराखंड के लॉकडाउन के चलते राजधानी के विभिन्न स्थानों पर पुलिस कर्मचारियों ने लॉकडाउन का उल्लंघन करने वाले चौपहिया व दुपहिया वाहनों का चालान किया और कई स्थानों पर वाहनों को सीज कर राजस्व वसूला। इस अवसर पर पुलिस ने अनावश्यक रूप से घरों से बाहर आये वाहन चालकों को वापस घर भेजने का भी काम किया। वहीं दूसरी ओर दोपहर बाद शहर को पूरी तरह से लॉकडाउन कर दिया गया।

घंटाघर पर सुबह से ही पुलिस अधिकारी व कर्मचारी के साथ ही साथ सिविल डिफेंस के स्वयंसेवक अपनी डयूटी पर तैनात थे और आने जाने वाले वाहन चालकों की चैकिंग की जा रही थी। उन्होंने पहले चौपहिया वाहन चालकों व दुपहिया वाहन चालकों को समझाया की चौपहिया वाहन पूरी तरह से प्रतिबंधित होने के बावजूद भी वाहन सड़कों पर दिखाई दिये, लेकिन दोपहिया वाहनों पर जो दो व्यक्ति व महिलायें सवार थे उन्हें पुलिस कर्मचारियों ने उतार दिया। कहा कि केवल एक ही व्यक्ति को वाहन से जाने दिया और दूसरे को वापस पैदल ही घर भेज दिया गया।

इस अवसर पर एसपी सिटी श्वेता चौबे राजधानी सहित आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये और अनावश्यक रूप से घरों से बाहर निकलने वाले लोगों का चालान करने के साथ ही वाहन सीज करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जो लोग घरों में हैं उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

पुलिस कर्मचारियों को इसके लिए तैनात किया गया है कि जहां से भी कोई फोन आये तत्काल उसकी मदद की जाये। वहीं खाद्यान्न व भोजन का वितरण थाने चौकियों से किया जा रहा है। इस अवसर पर एसपी सिटी श्वेता चौबे ने जरूरतमंदों को खाद्य सामाग्री के साथ ही साथ विधायक गणेश जोशी द्वारा दिये गये जूस के पैकेट भी बांटे और जवानों को मॉस्क व सैनिटाइजर भी बांटे।

इस अवसर पर अन्य पुलिस अधिकारियों ने भी जरूरतंदों को खाद्य सामाग्री प्रदान की। उन्होंने कहा कि थाने चौकियों से भी भोजन व खाद्य सामाग्री का वितरण किया जा रहा है। इस अवसर पर एसपी सिटी श्वेता चौबे ने कहा कि अपनी जरूरत का सामान अपने आसपास के दुकानों से ही खरीदें। चौपहिया वाहन प्रतिबंधित होने के कारण भी लोग बीमार व्यक्तियों को लाने व ले जाने के लिए प्रयोग कर रहे हैं इसके बावजूद भी पुलिस कर्मचारी वाहन चालकों को चौपहिया वाहन न लाने व टू व्हीलर में केवल एक ही सवारी आये के लिए पुलिस कर्मचारियों ने लोगों को जागरूक करने का काम किया।

न्यूज डायरी

नैनीताल जामा मिस्जद में आए थे 11 जमाती

संवाददाता नैनीताल। नैनीताल शहर के जामा मस्जिद मल्लीताल में 13 से 20 मार्च मरकज निजामुद्दीन की 11 सदस्यीय जमात आई थी। ये सभी दिल्ली के निवासी थे। जबकि नैनीताल के आठ लोग जमात सदस्यों के सम्पर्क में आए थे। खुफिया एजेंसियों की इस सूचना के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया है। सभी को स्वास्थ्य परीक्षण के बाद कवारन्टीन करने की तैयारी शुरू हो चुकी है। खुद एसडीएम विनोद कुमार इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार जमात के सदस्य जिन लोगों के संपर्क में आये उनमें मल्लीताल निवासी मो वसीम, हामिद अली, मो जुहैब, राशिद, राशिद, कासिफ, दिलशाद, नईम मैकेनिक, मो बसी, निवासी बूचड़खाना, शाहनवाज निवासी हरिनगर, सानिब, व महबूब निवासी बूचड़खान शामिल हैं।

प्रदेश में पानी और सीवर लाइन के बिल 31 मई तक स्थगित

देहरादून **संवाददाता**। कोरोना वायरस से बचाव के लिए जहां एक ओर प्रदेश में लॉकडाउन के चलते हुए अब आईपीएस और पीपीएस अधिकारी भी सामने आ गये हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री राहत कोष में एक दिन का वेतन देने का ऐलान किया है। यहां मिली जानकारी के अनुसार कोरोना के संक्रमण से बचाव कार्यों को लेकर पुलिस अधिकारी एक दिन का वेतन देंगे। डीजी लॉ एंड आर्डर अशोक कुमार ने यह जानकारी दी। वहीं दूसरी ओर पेयजल सचिव अरविंद सिंह ह्यांकी ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि प्रदेश में पानी और सीवर लाइन के बिल 31 मई तक स्थगित किये गये हैं लंबित बिलों को भी 31 मई तक स्थगित किया गया है।

कोरोना वायरस से निपटने में किए जा रहे पीएम मोदी के कार्य सराहनीय

संवाददाता देहरादून। मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन की प्रदेश अध्यक्ष मधु जैन ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों की सराहना करते हुए आज कहा कि आज हमारा देश कोरोना वायरस के संक्रमण से लड़ रहा है मगर मैं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि लोगों को पूर्ण रूप से 21 दिनों तक अपने घरों में रहे और अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें। यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के संरक्षक के रूप में खड़े हुए जिन्होंने लोगों से हाथ जोड़ कर अपील की है कि लॉकडाउन के समय घर से बाहर न निकलें जिससे यह संक्रमण बढ़ ना सके।

सेवा कार्यों में बढ़-चढकर आगे आई सामाज संस्थाएं

संवाददाता देहरादून। विश्वभर में फैले कोरोना वायरस के बचाव को लेकर किये गये उत्तराखंड लॉकडाउन के चलते आज विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संस्थाओं के साथ ही साथ दूसरे दिन सिविल डिफेंस के स्वयंसेवक भी सेवा कार्यों में कूद पड़े। उन्होंने दवा के साथ ही साथ मॉस्क भी बांटे।

इस अवसर पर कोरोना योद्धाओं में पुलिस कर्मचारियों, पत्रकारों, सीपीयू कर्मचारियों के साथ ही राह चलते लोगों के साथ ही जरूरमंद लोगों को नाश्ता व भोजन कराया और अपनी सेवा प्रदान की। वहीं अन्य सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता भी इस दौरान सक्रिय दिखाई दिये जो जरूरतमंदों को भोजन की व्यवस्थायें करने में जुटे रहे। इस अवसर पर डयूटी पर तैनात पुलिस कर्मचारियों व सीपीयू कर्मचारियों को चाय बिस्कुट वितरित किया गया। वहीं दूसरी ओर जैना रेस्टोरेंट के स्वामी ने अपने कर्मचारियों के साथ मिलकर चाय व ब्रैड पकौड़े बांटकर पुण्य कमाया।

उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में मजदूरों के आगे आर्थिक संकट

संवाददाता

■लोगों ने सरकार से लगाई मदद की गुहार

ऋषिकेश। पहाड़ में उन गरीब मजदूरों के परिवार के लिए संकट खड़ा हो गया है, जो दिन भर दियाड़ी मजदूरी करने के बाद राशन की व्यवस्था करते थे। ऐसे में इन गरीब परिवारों के लिए बहुत बड़ी परेशानी खड़ी होते दिख रही है। पहाड़ में दैनिक मजदूरी करने वाले लोगों को प्रतिदिन 300 से 400 रुपये मिलते थे, लेकिन लॉकडाउन से इन लोगों को संभलने का मौका नहीं मिला।

आज भी गांवों में ऐसे भी लोग हैं, जिनको कोरोना जैसी बीमारी, उसके दुष्परिणाम या बाजार बंद होने तक कि खबर नहीं है। जुलेड़ी गांव निवासी राजेश, सुशील, रमेश जैसे 50 परिवारों के सामने भोजन की समस्या उत्पन्न हो गई है। मनरेगा में मजदूरी करने वाले यह मजदूर सरकारी काम काज ठप होने से प्रभावित हो गए हैं। कोई परिवार लुहार का काम करता है तो कोई टोकरी बेचकर दिन के 50–100 रुपये परिवार के लिए कमाता था।

मगर, अब न इन लोगों के पास काम है न खाने पीने की चीजों के लिए पैसे। इन गरीब परिवारों को दुकानदार उधार भी नहीं देते हैं। ऐसे में यदि इन गरीब परिवारों की सुध नहीं ली की गई, तो इनके परिवार में भुखमरी जैसी समस्या उत्पन हो जाएगी। जुलेड़ी जैसे पहाड़ में ऐसे हजारों निर्धन परिवार जीवन यापन करते हैं। दिउली बाजार में आये कुछ लोगों ने सरकार से मदद की गुहार लगाई है।

सरकारी मजदूरी का लाभ नहीं ग्रामीण क्षेत्र में मनरेगा और ठेकेदार के अधीन काम करने वाले मजदूर पूरी तरह से खाली हो गए हैं। ऐसे सामाजिक सदाचार के आधार पर काम करने वाले इन मजदूरों को लॉकडाउन के दौरान मजदूरी का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है। समस्या यह है कि मजदूरों का यह बड़ा वर्ग नहीं जानता श्रम विभाग क्या है और श्रम विभाग में पंजीकरण कैसे होता है।

शिक्षा सत्र शुरू, ई–क्लास से बच्चों को पढ़ा रहे शिक्षक

संवाददाता रुड़की। लॉकडाउन के दौरान छात्रों की पढ़ाई बाधित न हो इसके लिए स्कूलों ने रास्ता निकाल लिया है। शिक्षा सत्र के पहले दिन वाट्सएप ग्रुप बनाकर शिक्षक–शिक्षिकाओं ने बच्चों की ई–क्लास ली। साथ ही, बच्चों को होमवर्क भी दिया गया है। कोरोना वायरस को लेकर किए गए लॉकडाउन के कारण जनजीवन पूरी तरह प्रभावित है। लोग घरों में ही हैं।

स्कूलों के बंद होने से कई बच्चों के पेपर तक नहीं हो पाए हैं। हालांकि स्कूलों ने बच्चों की छमाही परीक्षा और टेस्ट के आधार पर उन्हें अगली कक्षा के लिए प्रमोट किया है। वहीं लॉकडाउन होने से बच्चे किताब और कॉपियां भी खरीद नहीं पाए हैं। इसको लेकर लग रहा था कि शिक्षा सत्र प्रभावित होगा, लेकिन केंद्रीय विद्यालय नंबर–1, केंद्रीय विद्यालय नंबर–2, मोंटफोर्ट, आनंद स्वरूप सरस्वती मंदिर, ग्रीनवे सीनियर सेकेंडरी स्कूल सहित अधिकांश स्कूलों ने शिक्षा सत्र के पहले दिन से ही पढ़ाई शुरू करा दी है। सभी बच्चों के व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर शिक्षक–शिक्षिकाओं ने किताबों का पहला पाठ पढ़कर उसकी वीडियो अपलोड की।